FACSISM : conept and traits.
फांसीवाद : अवधारणा एवं मूल मान्यताएं

DR. SHAKEEL HUSAIN

HEAD DEPT OF POLITICAL SCIENCE

GOVT VYT PG AUTONOMOUS COLLEGE

DURG CHHATISGARH

ACCREDITED AS A+ BY NAAC

CONCEPT अवधारणा

- फांसीवाद से अभिप्राय ऐसी सर्वाधिकारवादी शासन प्रणाली से है जिसका विकास 1922 से 1932 के बीच इटली मे हुआ। मुसोलिनी इसका नेता था । इसमे समस्त अधिकार राज्य के पास होते है, व्यक्ति के कोई अधिकार नही होते । राज्य मे व्यक्ति लगभग विलुप्त हो जाता है । राज्य के अधिकार भी वास्तव मे देश के नाम पर नेता के पास रहते है । अतः वास्तविक सत्ता तो नेता या शासक के पास होती है ।
- इसी प्रकार की विचारधारा इसी समय जर्मनी मे भी थी जिसे नाजीवाद के नाम से जाना जाता है । इसमे नस्ल या रक्त की शुद्धता के नाम पर सर्वाधिकारवादी शासन स्थापित किया था हिटलर के नेतृत्व मे । नाम के अलावा चरित्र और कार्य शैली तथा विचारधारा सभी तरीके से दोनो मे गम्भीर समानताएं है ।
- फांसीवाद इटैलियन शब्द " फैसियो" से बना है । जिसका अर्थ है लकड़ी का गठ्ठर जो कि प्राचीन रोम मे राजा शक्ति का प्रतीक होता था ।

DEFINITION & INFLUENCE
परिभाषा एवं स्रोत

- ईबन्स्टीन के अनुसार-" फांसीवाद एक दल की अधिनायकता मे सरकार व समाज का अधिनायकतावादी संगठन है जो अत्यधिक राष्ट्रवादी, रंगभेदवादी, सर्वाधिकारवादी और साम्राज्यवादी होता है "
- मैक्वर्गन के अनुसार फांसीवाद पर चार विचारधाराओं का प्रभाव पड़ा है ।

(1) **डार्विनवाद** – डार्विन की योग्यतम की उत्तरजीविता के सिद्धान्त का गम्भीर प्रभाव इस पर पड़ा ।

(2) **परम्परावाद इतिहासवाद और रूढ़ीवाद** – रोमन साम्राज्य के गौरव से प्रभावित था ।

(3) **अबुद्धिवाद** – 19वी सदी के योरोपीय अबुद्धीवादी विचारकों , नीत्शे, सोरेल, शापेनहावर , बर्गसां, मोस्का, परेटो आदि का गहरा प्रभाव इसपर पड़ा ।

(4) **आदर्शवाद** – हीगल, बोसांके, फिख्टे आदि आदर्शवादी विचारको का प्रभाव था ।

मूल मान्यताएं
TRAITS

STATE IS SUPREME –राज्य सर्वोच्च नैतिक ईकाई है ।

- LEADER WORSHIP – नेतृत्व पूजा
- HISTORISIM – इतिहासवाद
- CULTURAL SUPERMACY – सांस्कृतिक श्रेष्ठता
- AGGRESSIVE NATIONALISM– उग्र राष्ट्रवाद
- VOILENCE & WAR MANIA- हिंसा और युद्ध प्रेम
- CORPORATE STATE—निगमित राज्य
- IRRATIONAL – अबुद्धिवादी
- FAKE PROPAGANDA– झूठा प्रचार तंत्र ।

CRITICAL APPRAISAL
आलोचनात्मक मूल्यांकन

- फांसीवाद बहुत आकर्षक विचारधारा है । विशेषकर उन प्राचीन और महान सभ्यताओं वाले देशों के लिए जिनका गौरवशाली इतिहास रहा है । इटली मे रोमन साम्राज्य के गौरव की पुनर्स्थापना के नाम पर ही मुसोलिनी सत्ता मे आया था । देश के गौरव की स्थापना महान नेताओ द्वारा होती है और उन्हे महान उपाधियां दी जाती है । मुसोलिनी को इटली मे "इल्ड्यूस " और हिटलर को जर्मनी मे " फ्यूहरर" कहा जाता था ।
- अल्प समय मे तीव्र आर्थिक प्रगति, हर हाथ को काम हर पेट को रोटी , विकास, देश की सुरक्षा आदि लुभावने नारो के नाम पर यह सत्ता मे आता है और एक काल्पनिक शत्रु के भय के नाम पर सत्ता मे बना रहता है ।
- किन्तु यह एक भयानक और अमानवीय विचारधारा है । लोकतंत्र, सह अस्तित्व, आदि मे इसका कोई भरोसा नही है । यह एक कभी न प्राप्त होने वाले आदर्श के नाम पर धीरे धीरे नागरिको के समस्त अधिकारो को निगल जाता है । जबतक लोग समझते है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। संक्षेप मे यह एक अभिषाप है । आज इटली मे मुसोलिनी से और जर्मनी मे हिटलर से लोग बला की नफरत करते है ।
- यह स्वयं के अलावा सभी विचारधाराओ को देशद्रोही मानता है तथा यह देश, दल, सरकार और महान नेता चारों को एकाकार कर देता है । नेता ही दल है, सरकार है और नेता ही देश है ।